दिन– मंगलवार

दिनांक– 22/07/2025

प्रसार भारती
(भारत का लोक सेवा प्रसारक)
प्रादेशिक समाचार एकांश
आकाशवाणी, पटना

प्रसारणः– शाम 7.30 बजे से।

अवधिः– 15 मिनट

---

01. विधानमंडल के मानसून सत्र के दूसरे दिन भी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण, एसआईआर के विरोध में विपक्षी सदस्यों ने किया जोरदार हंगामा।

02. संसद के दोनों सदनों में भी एसआईआर को लेकर पक्ष और विपक्ष आमने–सामने आए। जोरदार हंगामे के कारण विधायी कार्य प्रभावित।

03. उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा राष्ट्रपति ने किया मंजूर। उप सभापति हरिवंश को मिली राज्यसभा के विधायी कार्यों के संचालन की जिम्मेवारी।

04. और, प्रदेश के विभिन्न भागों में बारिश से गंगा, कोसी, बूढ़ी गंडक समेत विभिन्न नदियों में उफान। मुंगेर के दियारा इलाकों में बाढ़ का पानी फैला।

––

विधानमंडल के मानसून सत्र के दूसरे दिन भी आज विपक्षी सदस्यों ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और कानून व्यवस्था के मुद्दे पर सदन के बाहर और भीतर जमकर हंगामा किया। विपक्षी सदस्य काले वस्त्र पहन कर हाथों में बैनर लिए सदन के बीचो–बीच आ गए। विरोध प्रदर्शन कर रहे विपक्षी सदस्यों ने रिपार्टर टेबल को पलटने का प्रयास किया। इस दौरान विपक्षी विधायकों और हाउस मार्शल के बीच धक्का मुक्की भी हुई। विरोध प्रदर्शन कर रहे सदस्यों ने विधेयकों की कॉपी फाड़कर सत्तापक्ष की ओर उछाला। सदन में इतनी अव्यवस्था और अशांति उत्पन्न हो गई कि कुछ भी सुना नहीं जा रहा था।

–––एम्बिएंस–––

विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने हंगामे के बीच ही प्रश्नकाल की कार्यवाही जारी रखी। अध्यक्ष ने विपक्षी सदस्यों को बार–बार अपनी सीट पर जाने की अपील करते रहे लेकिन उनकी बातों का कोई असर नहीं हुआ। शोरगूल के कारण भोजनावकाश के पहले केवल इक्कीस मिनट ही कार्यवाही चल सकी। भोजनावकाश के बाद दोपहर दो बजे सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर विपक्षी सदस्य फिर शोर मचाने लगे और सदन के बीचो बीच आकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे।

प्रदर्शनकारी विधायकों ने रिपोर्टर टेबल को उठाकर आसन की ओर फेकने का प्रयास भी किया। इस दौरान मार्शल और आक्रोशित विधायकों के बीच झड़प हुई। धक्का मुक्की के दौरान विपक्षी दलों के कई विधायक वेल में गिर गए। प्रदर्शनकारी विधायकों ने कुछ विधायकों को गोद में उठाकर रिपोर्टर टेबल पर रखने की कोशिश की। भोजनावकाश के बाद केवल आधे घंटे की कार्यवाही चल पायी। हंगामा और शोर–शराबा के बीच अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही कल पूर्वाह्न ग्यारह बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। हालांकि कार्यवाही स्थगित होने के बाद भी विपक्षी सदस्यों ने विधानसभा अध्यक्ष के कक्ष के सामने भी नारेबाजी और प्रदर्शन किया। इधर, विधान परिषद में भी राजद, कांग्रेस समेत सभी विपक्षी सदस्यों ने सदन के बाहर और अंदर जोरदार नारेबाजी और हंगामा किया।

विपक्ष के भारी हंगामे के बीच आज छह महत्त्वपूर्ण विधेयक पारित किए गए। इन विधेयकों में बिहार हिन्दु धार्मिक न्यास संशोधन विधेयक दो हजार पच्चीस, बिहार विशेष सर्वेक्षण एवं बदोबस्त संशोधन विधेयक दो हजार पच्चीस और बिहार कृषि भूमि संशोधन विधेयक दो हजार पच्चीस शामिल है। इधर, सदन में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि राज्य में चल रहे मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण में लाखों लोगों के मताधिकार छीने जाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वह और उनकी पार्टी इस मुद्दे पर चुप नहीं बैठ सकती।

———बाइट———

इधर, सत्तापक्ष की ओर से मोर्चा संभालते हुए उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि निर्वाचन आयोग ने साफ कर दिया है कि किसी पात्र मतदाता का नाम नहीं हटाया जायेगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष काला कपड़ा पहनकर एसआईआर के मुद्दे पर लोगों को सिर्फ गुमराह कर रहा है।

———बाइट———

उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि चुनाव में निश्चित हार देख कर विपक्ष विरोध करने का संवैधानिक तरीका भी भूल गया है। उन्होंने कहा कि सदन के भीतर और बाहर विपक्ष का रवैया बेहद अशोभनीय है।

———बाइट———

———————————————————————————————

संसद का मानूसन सत्र भी चल रहा है। सत्र के दूसरे दिन आज लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों में विपक्ष ने एसआईआर, पहलगाम आतंकी हमला और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग को लेकर नारेबाजी और हंगामा किया। हंगामे के कारण लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पहले सदन की कार्यवाही दोपहर बारह बजे तक और फिर दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी। इधर, राज्यसभा में भी विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण विधायी कार्य प्रभावित हुआ।

———————————————————————————————

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के मुद्दे पर भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा है कि केवल देश के निवासियों को ही वोट देने का अधिकार है और अगर इस बारे में जांच की जाती है तो कोई समस्या नहीं होनी चाहिए।

———बाइट———

———————————————————————————————

लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद चिराग पासवान ने कहा है कि मतदाता सत्यापन के विरोध ने विपक्ष की पोल खोल दी है। संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री पासवान ने कहा कि विपक्ष फर्जी मतदान की शिकायत करता रहा है। लेकिन अब एसआईआर में जब इसकी जांच हो रही है तो उसे दिक्कत हो रही है।

———बाइट———

———————————————————————————————

राष्ट्रप्रति द्रौपदी मुर्मू ने उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा मंजूर कर लिया है। गृह मंत्रालय ने इस संबंध में अधिसूचना जारी की है। श्री धनखड़ ने अपने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए कल राष्ट्रपति अपना इस्तीफा भेज दिया था। इधर,

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्री धनखड़ की अच्छे स्वास्थ्य की कामना की है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि श्री धनखड़ ने भारत के उप राष्ट्रपति सहित विभिन्न पदों पर रहते हुए देश की सेवा की है। उनके राजनीतिक अनुभव और जिम्मेदारपूर्ण कार्यशैली का काफी लाभ मिला है। इधर, राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश ने राष्ट्रपति से मुलाकात की। जानकारी के अनुसार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे से उत्पन्न स्थिति में उप सभापति हरिवंश को राज्यसभा के विधायी कार्यों के संचालन के लिए जिम्मेवारी सौंपी है।

———————————————————————

राज्य में चल रहे मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत अठारह लाख मृतकों के नाम भी सूची में पाये गए हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विनोद सिंह गुंजियाल ने यह जानकारी देते हुए कहा कि सत्यापन प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची में छब्बीस लाख ऐसे लोग पाये गए हैं जो दूसरे विधानसभा क्षेत्रों में जा चुके हैं। जबकी सात लाख लोगों ने मतदाता सूची में दो जगहों पर अपना नाम दर्ज करा रखा है। चुनाव आयोग ने इन मतदाताओं की सूची राजनीति दलों के साथ साझा कर दी है। आयोग ने कहा है कि वैसे मतदाताओं की सूची भी दी गई है जो अपने पते पर नहीं मिले है। श्री गुंजियाल ने बताया कि अब तक सत्तानवें दशमलव तीन शून्य प्रतिशत मतदाताओं का सत्यापन कार्य पूरा कर लिया गया है। आयोग ने कहा है कि सात करोड़ सोलह लाख से अधिक गणना फार्म एकत्र किए गए हैं। अब केवल इक्कीस लाख पैंतीस हजार छह सौ सोलह मतदाताओं को ही अपने फार्म जमा कराने हैं।

———————————————————————

राज्य के अधिकतर भागों में मानसूनी बारिश का सिलसिला जारी है। मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में कहा है कि पच्चीस जुलाई से राज्य में मानसून का एक मजबूत सिस्टम भी बन रहा है। ट्रफ लाईन राज्य के पूर्वी भागों से गुजरने के कारण प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में मूसलाधार बारिश की संभावना है। मौसम विज्ञान केन्द्र पटना के अनुसार आज सीतामढ़ी, मधुबनी, दरभंगा, सुपौल, अररिया समेत राज्य की उत्तर–मध्य और उत्तर–पूर्वी भागों के कई स्थानों पर आंधी पानी की संभावना है। इस दौरान कुछ स्थानों पर वज्रपात की भी आंशंका है।

———बाइट———

———————————————————————————————

इधर, बांका जिले के बौंसी प्रखंड क्षेत्र के झालर गांव में आज वज्रपात की चपेट में आकर दो लोगों की मौत हो गई। घटना के समय ये दोनों खेत में काम कर रहे थे।

———————————————————————————————

नेपाल से निकलने वाली नदियों के जलग्रहण क्षेत्र में भारी बारिश के चलते प्रदेश में गंगा, गंडक, बूढ़ी गंडक, कोसी और महानंदा समेत विभिन्न नदियों के जलस्तर में बढ़ोतरी हो रही है।

गंगा नदी में उफान के कारण मुंगेर जिले के कई निचले इलाकों में बाढ़ का पानी फैल गया है। इससे जनजीवन प्रभावित हो रहा है। एक रिपोर्ट–

———बाइट———

गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर के कारण जिले के दियारा क्षेत्रों में बाढ़ से तबाही के दृश्य दिख रहे हैं। कई पंचायतों में बाढ़ का पानी फैल गया है। हजारों एकड़ में फैली फसल को नुकसान हुआ है। खास कर बिन्द दियारा इलाके में सैकड़ों एकड़ क्षेत्र में लगी परवल की खेती डूब गई है। इससे किसानो को बड़े नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। इधर, बढते जलस्तर के मद्देनजर लोगों ने अपने सामान समेट कर किसी उंची जगह पर जाने की तैयारी शुरू कर दी है। लोगों को उम्मीद है कि प्रशासन की ओर से जल्द ही सहायता मुहैया कराई जायेगी। आकाशवाणी समाचार के लिए मुंगेर से प्रशांत कुमार सिंह।

———————————————————————————————

01. विधानमंडल के मानसून सत्र के दूसरे दिन भी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण, एसआईआर के विरोध में विपक्षी सदस्यों ने किया जोरदार हंगामा।

02. संसद के दोनों सदनों में भी एसआईआर को लेकर पक्ष और विपक्ष आमने–सामने आए। जोरदार हंगामे के कारण विधायी कार्य प्रभावित।

03. उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा राष्ट्रपति ने किया मंजूर। उप सभापति हरिवंश को मिली राज्यसभा के विधायी कार्यों के संचालन की जिम्मेवारी।

04. और, प्रदेश के विभिन्न भागों में बारिश से गंगा, कोसी, बूढ़ी गंडक समेत विभिन्न नदियों में उफान। मुंगेर के दियारा इलाकों में बाढ़ का पानी फैला।

———————————————————————————————

समाप्त